आपके प्रियजन की जिंदगी बचाने के लिए सीपीआर सीखें ।

(कार्डियोपल्मोनरी रेससीटेशन / कार्डियाक मसाज)

सीम्स अस्पताल नियमित रुप से सीपीआर कोर्स की योजना बनाता है ।

अमेरिका में तो ऐसी सिफारिश की जाती है की हर घर में एक वयस्त व्यक्ति को कार्डियाक मसाज करने की जानकारी होनी चाहिए ।

जिसका हृदय अचानक बंध हो जाता है उस मरीज़ की चिकित्सा के लिये यह एक आपातकालीन पद्धति है । कोई भी व्यक्ति यह पद्धति की तालीम लेकर मरीज़ की जान बचा सकता है ।

सीपीआर कोर्स के संचालक ।

डॉ. निरेन भावसार
डॉ. भाग्येश शाह
डॉ. हिरेन धोलकिया
डॉ. विपुल ठक्कर
डॉ. चितंन शेठ

जानकारी के लिए निम्नलिखित नंबरो पर एसएमएस करें और **CPR** टाइप करें
डॉ. भाग्येश शाह (मो) +91-90990 68938
डॉ. विपुल ठक्कर (मो) +91-90990 68935

CIMS®
CARE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
Earning Trust with World-Class Practices
Joint Commission International
NABH
NABL
Certificate No. MC-3049

सीम्स अस्पताल
रजी. ओफिस : प्लोट नं. **67/1**, पंचामृत बंगलो के सामने,
शुकन मोल के पास, सायन्स सीटी रोड, सोला, अहमदाबाद - **380060.**
फोन : **+91-79-2772 2771-75** फेक्स : **+91-79-2771 2770**

अपोइन्टमेन्ट के लिये फोन : +91-79-2772 1008
मोबाईल : +91-98250 66661 ईमेल : opd.rec@cimshospital.org

24 X 7 मेडीकल हेल्पलाईन +91-70 69 00 00 00
सीम्स अस्पतालकी अेप्लीकेशन उपलब्ध है।
Google play | App Store

CIMS Hospital Pvt. Ltd. | CIN : U85110GJ2001PTC039962 | info@cims.org | www.cims.org

एम्बयुलन्स और आपातकालीन सेवायें : +91-98244 50000, 97234 50000

किसी की जिंदगी...
...आपके हाथ में है !

सीम्स सीपीआर

(कार्डियोपल्मोनरी रेससीटेशन / कार्डियाक मसाज)

CIMS®
CARE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
Earning Trust with World-Class Practices
Joint Commission International
NABH
NABL
Certificate No. MC-3049

कार्डियोपल्मोनरी रेससीटेशन / कार्डियाक मसाज

सीपीआर क्या है ?

कार्डियोपल्मोनरी रेससीटेशन ऐसी आपातकालीन पद्धति है जिसका कार्डियाक एरेस्ट के मरीज की चिकित्सा के लिए प्रयोग किया जाता है । सीपीआर का प्रयोग हेल्थ केॅयर प्रोफेशनल (डॉक्टर, नर्स या पेरामेडिकल व्यक्ति-चिकित्सा देखभाल व्यावसायिक) द्वारा या प्रशिक्षित आम व्यक्ति द्वारा किया जा सकता है । जब तक मरीज को बेहतर इमरजन्सी चिकित्सा नहीं मिलती है तब तक सीपीआर किया जाता है । यदि तुरंत ही किया जाय तब मरीज की बचने की संभावना 40 प्रतिशत से भी ज्यादा बढ जाती है ।

सीपीआर का महत्त्व

सीपीआर करने से, जिसका हृदय काम नहीं कर रहा है ऐसे मरीज में रक्त भ्रमण चालु रहता है । जिसकी वजह से दिमाग, हृदय, किडनी, लिवर ईत्यादि जैसे कई महत्वपूर्ण अंगो को पर्याप्त रक्त पहुंचता है, और मरीज को बहेतर स्थिति में अस्पताल (हॉस्पिटल) में भेजा जा सकता है ।

सीपीआर : किसी आम व्यक्ति को क्युं सिख्रना चाहिए ।

हार्ट एटेक, स्ट्रोक इत्यादि जैसी गंभीर बिमारीया किसी को भी किसी भी वक्त हो सकती है । ऐसे कई मरीज को कार्डियाक एरेस्ट हो सकता है और कुछ ही वक्त में उनकी मौत हो सकती है । ऐसे सभी मरीजो के लिए जब तक एम्ब्यूलन्स / मेडिकल सहायता नहीं पहुंचती, तब तक सीपीआर आवश्यक है ।

यदि आप सीपीआर का तरीका जानते है, तब आप आपके परिवार के सदस्य या पडोसी या किसी भी व्यक्ति की सहायता कर सकते हो और अपना मानविय फर्ज अदा कर सकते है । आपको सीम्स होस्पिटल तक लाने के लिए हमारी एम्ब्यूलन्स के लिये डायल करे +91-98240 50000, +91-97234 50000, +91-90990 11234 या गुजरात के लिए 108 डायल करे ।

सीपीआर कैसे करे / सिर्फ हाथों से सीपीआर

मरीज को सपाट और सख्त सतह पर लेटाए ।

निम्नलिखित बचाव के उपाय करे

कोल	सीपीआर	जल्दी	आधुनिक	सीपीआर के
+91-98250 50000 +91-97234 50000 +91-90990 11234 या 108		जानकारी दें	चिकित्सा के लिए भेंजे	बाद की चिकित्सा

एक चीज याद रखें, अगर आप अकेले हो और किसी मरीज को लेटा हुआ पाऐं तब सबसे पहले यह तय करे की उसे वाकइ में सीपीआर की जरुरत है ?

1. क्या वह श्वास ले रहा है ?
2. क्या आप उसकी हलनचलन का कोई संकेत देख रहे है ?

यदि आपको उसकी जान का कोई संकेत नहीं दिखाई दे रहा है, तो यह सीपीआर का वक्त है ।

श्वास के लिए जांच करे ।

सामान्य श्वास के लिए देखें, उसे सुने और अनुभूति करें और जान के संकेत के लिए देखें ।

दर्दी की प्रतिक्रिया के लिए जांच करे ।

यदि जान होने के कोई संकेत नहीं है, तब छाती दबाने का शुरु करे

जोर से और जल्दी से दबाऐं

कम से कम प्रति मिनट 100 बार दबाऐं

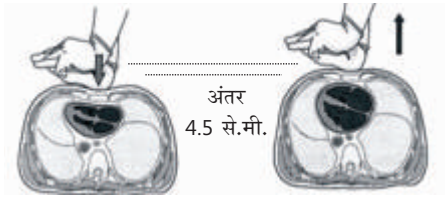

छाती पर दबाव कैसे करे ?

- आपका हाथ मरीज की छाती पर बराबर बीच में रखें । एक हाथ दूसरे हाथ के उपर रखें ।
- छाती का कम से कम 4-5 सेमी हिस्सा प्रति मिनट कम से कम 100 बार इस तरह से दबाऐं की मरीज को हर एक दबाव के बाद थोडा आराम मिले ।
- कभी भी मुंह से श्वास नही देना चाहिए और सिर्फ छाती दबाना चालु रखें ।

यदि तुरंत उपलब्ध हो, तो ओटोमेटेड एक्सटर्नल डीफिब्रीलेटर (AED) का प्रयोग करे ।

नई मार्गदर्शिका के अनुसार, सीपीआर के लिए मुंह से श्वास देना आवश्यक नहीं है, यदि आप प्रशिक्षित नहीं है या सानुकूल नहीं है तब कृपया बिना किसी अवरोध छाती दबाना चालु रखें ।

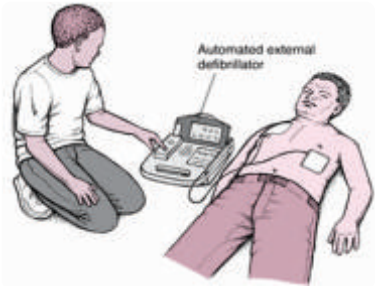

सभी डॉकटरो को उनके दवाखानेमें AED रखने का कहा जा रहा है ।

AED एक मशीन है जो मरीज के हृदय की गति के लय को स्पष्ट करतां है और अपने आप झटका देता है ।

जब मरीज स्वस्थ हो जाता है, तब उसे रिकवरी पोजीशन में रखे ।